शिक्षा में प्रकृतिवाद-

पाल मुनरो के अनुसार-प्रकृतिवाद ने शिक्षा के मनोवैज्ञानिक समाजशास्त्रीय और वैज्ञानिक धारणा के स्पष्ट निर्माण में प्रत्यक्ष प्रेरणा दी है।

प्रकृतिवाद के मूल सिद्धांत

1-यह भौतिक संसार ही सत्य है।

2-ब्रह्मांड की रचना एक प्राकृतिक क्रिया है।

3-मनुष्य अंसार की सर्वश्रेष्ठ रचना है।

4-आत्मा परमात्मा की कल्पना एक मिथ्या विचार है।

5-प्राकृतिक ज्ञान ही अंतिम ज्ञान है।

6-जीने के लिए संघर्ष करना।

7-समायोजन और परिस्थितियों पर नियंत्रण।

8-इन्होंने राज्य के कठोर नियंत्रण व्यक्ति के विकास में हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया है।

प्रकृतिवाद और शिक्षा

1-प्रकृति के अनुसार शिक्षा

2-शिक्षा बालक के लिए है।

3-पुस्तकीय शिक्षा और रटाने का विरोध

4-बालक की स्वतंत्रता की आवश्यकता

5-निषेधात्मक शिक्षा पर बल

6-इंद्रिय प्रशिक्षण पर बल

7-सह शिक्षा पर बल

8-सामाजिक न्याय की भावना

9-मनोवैज्ञानिक सिद्धांत पर आधारित शिक्षा

प्रकृतिवाद और शिक्षा के उद्देश्य

1-जीवन संघर्ष के लिए प्रस्तुत करना

2-अनुकूल वातावरण बनाने और समायोजन करना

3-मूल प्रवृत्तियों का शोधन और समन्वय

4-वर्तमान और भविष्य के सुख की प्राप्ति करना

5-नैसर्गिक शक्तियों का विकास

6- आत्मसंतोष और आत्म संरक्षण प्राप्त करने में सहयोग करना

7-व्यक्तित्व का स्वतंत्र विकास

8-जातीय संप्राप्तियों का संरक्षण

<u>प्रकृतिवाद और पाठ्यक्रम</u>

1-पाठ्यक्रम मनोवैज्ञानिक सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए।

2-विधायक विज्ञानों को वरीयता दी जानी चाहिए।

3-जीवन रक्षा संबंधी विषयों को मुख्य स्थान प्राप्त हो।

4-इसके अंतर्गत विज्ञानकेंद्रीत विषय होने चाहिए।

5-पाठ्यक्रम में धार्मिक शिक्षा को महत्व ना प्राप्त हो।

<u>प्रकृतिवाद और शिक्षण विधियां</u>

1-करके सीखना

2-अपने अनुभव द्वारा सीखना

3-खेल द्वारा सीखना

<u>प्रकृतिवाद और शिक्षक</u>

प्रकृतिवादियों के अनुसार प्रकृति वास्तविक शिक्षक है। बे बालक की शिक्षा में शिक्षक को किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप की छूट नहीं देते हैं। प्रगतिवादी शिक्षा में शिक्षक को कोई भी स्थान प्राप्त नहीं है। प्रगतिवादी विचारक प्रकृति को ही बालक का वास्तविक शिक्षक मानते हैं।

<u>प्रकृतिवाद और अनुशासन</u>

प्रकृति वादियों का नारा स्वतंत्रता है।

रूसो के अनुसार-अनुशासन सदैव बालक की गलतियों के प्राकृतिक परिणामों द्वारा होना चाहिए।

अर्थात अनुशासन की स्थापना के लिए प्रकृतिवाद मुक्तत्मक सिद्धांत का प्रबल समर्थक है।

<u>प्रकृतिवाद के गुण</u>

1-प्रकृतिवाद बाल केंद्रित शिक्षा पर अधिक बल देता है।

2-शिक्षा में स्वतंत्रता

3-शाब्दिक शिक्षा अथवा पुस्तकी शिक्षा का विरोध किया।

4-प्रकृतिवाद ने व्यवहार को जन्म दिया।

5- प्रकृतिवाद विचारधारा ने सह शिक्षा पर अधिक बल दिया

<u>प्रकृतिवाद के दोष</u>-

1-प्रकृतिवाद में आध्यात्मिक जगत का कोई स्थान नहीं।

2-प्रकृतिवाद में बालक को पाठ्यक्रम के आधार पर बनाकर पाठ्यक्रम के महत्व को कम कर दिया।

3-प्रकृतिवाद केवल उसी ज्ञान को सीखने को कहता है जिसे तात्कालिक उपयोगिता हो।

4-प्रकृतिवाद में शिक्षा में पाठ्यक्रम गौण और शिक्षा की उपेक्षा की